(ख) 1967–68 में उक्त कार्य के लिये उपरोक्त राज्यों को कितनी राशि दी जायेगी ?

सिंचाई तथा विद्युत् मंत्री (डा० कु० ल० राव): (क) और (ख) सिंचाई के वर्तमान साधनों की मरम्मत, बजरों और नौकाओं पर पम्प लगाने, वर्तमान नल-कूपों की मरम्मत तथा नये नल-कूपों को लगाने के लिये सहायता लघु सिंचाई कार्यक्रम के अधीन दी जाती है। पश्चिम बंगाल में दामोदर घाटी निगम को छोड़ कर उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल तथा मद्रास राज्यों में सिंचाई की अन्य बृहत स्कीमों के लिये सहायता राज्य की सारी योजना के लिये दिये गये फुटकर विकास ऋण द्वारा दी जाती है। उक्त विशिष्ट कार्यों के लिये पृथक पृथक राशियां उपलब्ध नहीं हैं।

तीसरी योजना में उत्तर प्रदेश के लिए परियोजनाएं

7070. **श्री शिवचरण लाल :**
श्री मोलहू प्रसाद :
श्री राम चरण :
श्री रामजी राम :

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि तीसरी पंचवर्षीय योजना में उत्तर प्रदेश के लिये केवल पांच परियोजनाएं मंजूर की गई थीं जिन पर 110 करोड़ रुपये खर्च किये जाने थे;

(ख) क्या यह भी सच है कि पांचों परियोजनाओं को अभी तक पूरा नहीं किया गया है;

(ग) यदि हां, तो क्या इस अवधि में पश्चिम बंगाल और मद्रास के लिये मंजूर की गई परियोजनाओं को भी पूरा करने में विलम्ब किया जा रहा है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

योजना, पैट्रोलियम और रसायन तथा समाज कल्याण मंत्री (श्री अशोक मेहता) : (क) से (घ). एक विवरण सभा-पटल पर प्रस्तुत है। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या LT—1238/67]

उत्तर प्रदेश के लिये केन्द्रीय परियोजनायें

7071. **श्री शिवचरण लाल :**
श्री मोलहू प्रसाद :
श्री राम चरण :
श्री रामजी राम :

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पहली और दूसरी पंचवर्षीय योजनाओं में उत्तर प्रदेश के लिये कोई केन्द्रीय परियोजना सम्मिलित नहीं की गई थी;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण थे;

(ग) इस अवधि में क्रमशः मद्रास और पश्चिम बंगाल में कितनी केन्द्रीय परियोजनाएं आरम्भ की गई थीं और उनके लिये केन्द्रीय सरकार ने कितनी राशि दी थी; और

(घ) इस भेद-भाव के क्या कारण हैं?

योजना, पैट्रोलियम और रसायन तथा समाज कल्याण मंत्री (श्री अशोक मेहता) : (क) से (घ). एक विवरण सभा पटल पर प्रस्तुत है। [पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या LT—1239/67]